ये अव्यक्त इशारे

सन्तुष्टमणि बन सदा सन्तुष्ट रहो और सबको सन्तुष्ट करो

21-12-2024

सदा आज्ञाकारी बनकर रहो तो सर्व की दुआयें मिलेंगी। उन दुआओं के प्रभाव से दिल वा मन सदा सन्तुष्ट रहेगा। बाहर की सन्तुष्टता नहीं लेकिन मन की सन्तुष्टता और मन की सन्तुष्टता यथार्थ है, आज्ञाकारी हैं, दुआएं हैं तो सदा स्वयं और सर्व डबल लाइट रहेंगे। उनका चेहरा सदा प्रसन्नचित दिखाई देगा। प्रसन्नतचित अर्थात् सर्व प्रश्नों से न्यारा। क्यों, क्या, कैसे यह सब प्रश्न समाप्त।

Be a jewel of contentment, always remain content and make everyone content.

Always remain obedient and you will receive blessings from everyone. With the impact of those blessings, your heart and mind will always remain content. Let it not be external contentment, but contentment of the mind. When the contentment of the mind is real, when you are obedient and you receive blessings, you and others will always remain double-light. Your faces will always be happy hearted. To be happy-hearted means to be beyond all questions. All questions of "Why? What? How?" finish.